एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा – 2012

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

प्रथम पत्र : जैन इतिहास, संस्कृति, साहित्य एवं कला

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. क्या ऋषभ आदि सभ्यता के प्रवर्तक थे ? स्पष्ट कीजिए।

Was Rishabha founder of ancient culture ? Explain it.

अथवा / OR

भगवान महावीर का जीवन परिचय और उनकी शिक्षाओं का वर्णन कीजिए।

Decribe the life history and teachings of Lord Mahavira.

प्र. 2. जैन संस्कृति की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the characteristics of Jain culture.

अथवा / OR

अहिंसक जीवन शैली किसे कहते हैं? इसके महत्व का उल्लेख कीजिए।

What do you mean by non-violent life style ? Explain its importance.

प्र. 3. जैन कला पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on Jain Art.

अथवा / OR

जैन मन्दिरों के धार्मिक सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

Throwlight on the religious beauty of Jain temples.

प्र. 4. आगम किसे कहते हैं? जैन आगम साहित्य का संक्षेप में परिचय दीजिए।

What is canonical literature ? Write a brief introduction of Jain Canonical Literature.

अथवा / OR

जैन साहित्य को आचार्य उमास्वाति का क्या योगदान है? वर्णन कीजिए।

What is the contribution of Acharya Umaswati to Jain Literature ? Discuss it.

प्र. 5. निम्नांकित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

Write short note on any two of the following -

1. जैन योग साहित्य / Jain Yoga Literature
2. जैन दार्शनिक साहित्य / Jain Philosophical Literature
3. जैन पुराण साहित्य / Jain Puran Literature
4. जैन कथा साहित्य / Jain Story Literature

♦♦♦

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा - 2012

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

द्वितीय पत्र : जैन तत्त्व मीमांसा एवं आचार मीमांसा

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन दर्शन के अनुसार धर्मास्तिकाय का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

Explain the nature of Dharmastikaya according to Jainism.

अथवा / OR

द्रव्य के प्रकारों को समझाइए।

Explain the types of Dravya.

प्र. 2. काल द्रव्य के स्वरूप को भेद सहित स्पष्ट कीजिए।

Explain the Kala Dravya with its types.

अथवा / OR

परमाणु क्या है। उदाहरण सहित समझाइए।

What is Parmannu ? Explain it with examples.

प्र. 3. जैन आचार मीमांसा की तात्विक पृष्ठभूमि को स्पष्ट कीजिए।

Explain the metaphysical base of Jain ethics.

अथवा / OR

पर्याय क्या है? वर्णन कीजिए।

What is Prayaya ? Explain it.

प्र. 4. जैन धर्म के अनुसार नवतत्त्वों को समझाइए।

Explain the Navtatva according to Jainism.

अथवा / OR

श्रमणाचार एवं श्रावकाचार में अन्तर स्पष्ट करें।

What is difference between Shramanachara and Shravakachara? Explain it.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणियाँ लिखिये –

Write short note on any four of the following :

(i) संलेखना / Sallekhna

(ii) समिति / Samiti

(iii) अधर्मास्तिकाय / Adharmastikaya

(iv) संथारा / Santhara

(v) जीव / Soul

(vi) सत् / Sat

♦♦♦

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा – 2012

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

तृतीय पत्र : ध्यान योग एवं कर्म मीमांसा

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. मन का स्वरूप लिखते हुए मनोनिरोध के साधनों का वर्णन कीजिए ?

Describe the causes of Manonirodh with its nature.

अथवा / OR

जैनयोग का स्वरूप एवं प्रकारों का वर्णन कीजिए।

Describe the nature and types of Jainology.

प्र. 2. अनुप्रेक्षा पर निबन्ध लिखिए ।

Write an essay on Anupreksha.

अथवा / OR

लेश्या के स्वरूप एवं भेदों का वर्णन कीजिए।

Describe the nature and types of lesya.

प्र. 3. समाधि क्या है? स्पष्ट कीजिए।

Illustrate, What is Samadhi.

अथवा / OR

अष्टांगयोग पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on Astangayoga.

प्र. 4. कर्मबन्ध प्रक्रिया को विस्तार से समझाइए।

Define in detail the process of bondage of karma. (Karma bandha)

अथवा / OR

कर्म की दस अवस्थाओं का वर्णन विस्तार से कीजिए।

Describe in detail the ten stages of karmas.

प्र. 5. पांच समवायों पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on Panch Samvayas.

अथवा / OR

गुणस्थान पर निबन्ध लिखिए ?

Write an essay on Gunasthanas.

♦♦♦

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा - 2012

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

चतुर्थ पत्र : जैन ज्ञान मीमांसा एवं जैन न्याय

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन ज्ञान मीमांसा के उद्‌भव और विकास के बारे में विस्तार से लिखें।

Write in detail about the origin and development of Jain gyan mimansa.

अथवा / OR

दर्शन के स्वरूप एवं विभिन्न भेदों पर रोशनी डालें।

Throw light on the concept and different forms of Darshan.

प्र. 2. मतिज्ञान किसे कहते हैं। प्रत्यक्ष और परोक्ष के सन्दर्भ में इसके स्वरुप की व्याख्या करें।

What is called *matijnan*? Explain its nature in the context of directness and indirectness.

अथवा / OR

श्रुतज्ञान के स्वरुप को स्पष्ट कीजिए।

Clarify the nature of *srutagyan*.

प्र. 3. अवधिज्ञान के स्वरूप एवं भेदों पर प्रकाश डालते हुए अवधिज्ञान एवं मनःपर्यवज्ञान के अन्तर को स्पष्ट करें।

Throwing light on the nature of Avadhijnana and its kinds, explain the difference between Avadhi and Manahparyay Gyana.

अथवा / OR

केवलज्ञान के स्वरूप और उसके दार्शनिक महत्व का विवेचन कीजिए।

Discuss the nature and philosophical significance of *Kavalajnana*.

प्र. 4. प्रमाण विषयक जैन अवधारणा की आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Examine critically the Jaina concept of *Pramana*.

अथवा / OR

भारतीय न्यायशास्त्र के विकास में जैन नैयायिकों के योगदान का विवेचन कीजिए।

Discuss the contribution of Jaina logicians in the development of Indian Logic.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए –

Write short notes on any four of the following :

(i) प्रत्यक्ष प्रमाण / Direct Pramana

(ii) स्मृति / Memory

(iii) तर्क / Logic

(iv) व्याप्ति / Concomitance

(v) हेतु का लक्षण / Characteristics of reason

(vi) दृष्टान्त / Illustration

♦♦♦

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) परीक्षा - 2012

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

पंचम पत्र : जैन आगम

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. आचारांग का विस्तृत परिचय दीजिए।

Give detail introduction of the Acaranga.

अथवा / OR

आचारांग के अनुसार 'अहिंसा' पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on 'Ahimsa' according to Acaranga.

प्र. 2. संसार का कारण क्या है? वर्णन करें।

What are the reasons of the Transmigration ? Explain.

अथवा / OR

सूत्रकृताङ्ग का विस्तृत परिचय लिखिए ।

Write the detail introduction of sutrakritang.

प्र. 3. 'नमस्कार' महामन्त्र का मूलस्रोत क्या है? विस्तार से लिखें।

What is the original source of the 'Namokarmantra'? Write in detail.

अथवा / OR

आत्मा और पुद्गल के मध्य सम्बन्धों की विस्तृत व्याख्या करें।

Explain the relation between soul and matter.

प्र. 4. गुरु और शिष्यों के मध्य सम्बन्धों की व्याख्या करें।

Explain the relation between teachers and desciples.

अथवा / OR

'दशवैकालिक'पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on 'Dashwaikalik'.

प्र. 5. समयसार के आधार पर शुद्धात्मा की अवधारणा की व्याख्या करें।

Explain the concept of pure soul based on 'Samayasar'.

अथवा / OR

'समयसार में नय' इस विषय पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on 'Naya' in 'Samayasar'.

♦♦♦

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) परीक्षा – 2012

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

षष्ठ पत्र : अनेकान्त, नय, निक्षेप और स्याद्वाद

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन दर्शन में स्वचतुष्ट्य के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए ?

Explain the importance of self quaternity (Svacatustaya) in Jain philosophy.

अथवा / OR

अनुयोगद्वार सूत्र का परिचय लिखिए।

Write an introduction of Anuyogdwar Sutra.

प्र. 2. अनेकान्तवाद पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on the theory of non-absolutism (Anekantvada).

अथवा / OR

जैन दर्शन में आचार्य सिद्धसेन के योगदान पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the contribution of Acharya Siddhasena to Jain philosophy.

प्र. 3. सत् से आप क्या समझते हैं, विस्तार से लिखिए।

What do you mean by Reality, write in detail.

अथवा / OR

सप्तभंगी से आप क्या समझते हैं, ग्रन्थानुसार विस्तार से लिखिए।

What do you mean by Saptabhangi, the theory of seven fold prediction, write in detail according to text.

प्र. 4. जैन दर्शन में नय के महत्त्व पर प्रकाश डालिए ?

Throw light on the importance of Naya in Jain Philosophy.

अथवा / OR

निक्षेप का स्वरूप विस्तार से लिखिए।

Write the nature of Nikshepa in detail.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिये –

Write short notes on any four of the following :

(i) स्याद्वाद / Syadvada

(ii) भगवतीसूत्र / Bhagwatisutra

(iii) पर्याय / Paryaya

(iv) सन्मतितर्कप्रकरण / Sanmatitark Prakaran

(v) प्रमेय / Prameya

(vi) सप्तभंगीतरंगिणी / Saptabhangitarangani

♦♦♦

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) परीक्षा - 2012

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

सप्तम पत्र : जैन धर्म–दर्शन और भारतीय धर्म–दर्शन

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. भारतीय दर्शन में 'सत्' के स्वरूप के सम्बन्ध में वेदान्त और बौद्ध दर्शन के मत की समीक्षा कीजिए।

Critically explain the nature of 'SAT' according to Vedanta and Boddh in Indian Philosophy.

अथवा / OR

दार्शनिकों का सत् के सम्बन्ध में मतैक्य क्यों नहीं है?

Why there is no unanimity in the context of 'sat' among philosophers?

प्र. 2. आत्मा के सम्बन्ध में जैन और न्याय दर्शन के विचारों की व्याख्या कीजिए।

Explain the term Soul (Atma) in context of Jain and Nyay philosophy.

अथवा / OR

अहिंसा के सम्बन्ध में जैन एवं बौद्ध धर्म के विचारों को स्पष्ट करें।

Clarify the idea of Non-violence in the context of Jain and Buddha religion.

प्र. 3. 'मोक्ष भारतीय दर्शन का केन्द्रीय सम्प्रत्यय है'। मोक्ष के सम्बन्ध में जैन और बौद्ध दर्शन के विचारों को प्रस्तुत करें।

Salvation is the central concept of Idian Philosophy. Discuss the idea of salvation in Jain and Boddha Philosophy.

अथवा / OR

सांख्य और न्याय के अनुसार कारण–कार्य सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

Explain the theory of cause and effect according to Sankhya and Nyay philosophy.

प्र. 4. बौद्ध और वेदान्त दर्शन के अनुसार अविद्या के स्वरूप को समझाइए।

Explain the concept of 'Avidya' according to Boddha and Vedanta Philosophy.

अथवा / OR

भारतीय दर्शन में कर्म के स्वरूप के सम्बन्ध में विभिन्न मतों को प्रस्तुत करें।

Explain the different concepts of Karma in Indian philosophy.

प्र. 5. जैन दर्शन के प्रमाण सम्बन्धी दृष्टिकोण को स्पष्ट करें।

Describe the nature of 'Praman' according to Jain Philosophy.

अथवा / OR

जैन और गीता के अनुसार भक्ति के महत्त्व का तुलनात्मक विवेचन करें।

Evalute and compare the importance of devotion as depicted in Jain and Geeta.

♦♦♦

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) परीक्षा - 2012

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

अष्टम पत्र : जैन धर्म–दर्शन और भारतीयेतर धर्म–दर्शन

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. अरस्तू के द्रव्य के स्वरूप की जैनदर्शन के द्रव्य के स्वरूप से तुलना कीजिये।

Compare Jain concept of substance with that of Aristotle ?

अथवा / OR

जैन दर्शन के द्वैतवाद और देकार्त के द्वैतवाद की तुलना कीजिये ?

Compare Dualism of Jainism with that of Descartes ?

प्र. 2. देकार्त के अनुसार आत्मा और शरीर के सम्बन्ध को स्पष्ट कीजिये और जैनदर्शन से उसकी समानता बताईये।

Explain the soul (mind) and body relationship according to Descartes and its sameness with that of Jainism.

अथवा / OR

जैन दर्शन और ह्यूम की आत्मा सम्बन्धी अवधारणा की तुलना और समीक्षा कीजिये ?

Compare and evaluate the Jain concept of soul with that of Hume?

प्र. 3. जैन दर्शन और स्पीनोजा के द्रव्य सम्बन्धी सिद्धान्त का अन्तर स्पष्ट कीजिये।

Differentiate the concept of substance of Jainism and Spinoza.

अथवा / OR

जैन दर्शन और ह्यूम की कारणता की अवधारणा का अन्तर बताइये?

Differentiate the concept of 'cause' of Jainism and Hume ?

प्र. 4. जैन धर्म और ईसाईधर्म की सर्वांगीण तुलना एवं समीक्षा करें ?

Compare and examine Jainism with christianity in all aspects ?

अथवा / OR

जैन धर्म और पारसी धर्म के नीतिशास्त्र की व्याख्या एवं समीक्षा करें ?

Explain and analyse the ethics of Jainism and Parsi-religion ?

प्र. 5. अपरिग्रह का सिद्धान्त आर्थिक विषमता की समस्या का समाधान हो सकता है– कैसे ? वर्णन करें।

The doctrine of Non-possessiveness may be a solution to the problem of economical inequality. How? Describe it.

अथवा / OR

अहिंसा और पर्यावरण पर एक लेख लिखिए।

Write an essay on Nonviolence and Environment.

♦♦♦